

Prof. Pankaj Kr. Gupta

Assistant Professor (Economics)

R.B.G.R. College, Mahanagarj

TDC II - Economics (Hons.)

Paper III - Macro Economics

Module 1 - Green Accounting.

Topic: Green Accounting; Meaning, Indicators and Objectives

⇒ अर्थ (Meaning) - हरित लेखांकन एक व्यवस्था है जिसमें पर्यावरण पर उपभोग तथा उत्पादन के प्रभावों को लेखों में लिया जाता है। इसे प्राकृतिक स्रोत लेखांकन (Natural Resource Accounting) या पर्यावरणीय लेखांकन (Environmental Accounting) भी कहा जाता है। अतः राष्ट्रीय लेखांकन में पर्यावरणीय क्षय (Environmental Degradation) को शामिल करके जो लेखा बनाया जाता है, उसे हरित लेखांकन कहा जाता है।

पर्यावरण उद्विग्नता - वर्तमान में विश्व में अनेक परिवर्तन हो रहे हैं। प्रत्येक देश तीव्र आर्थिक विकास हेतु प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से विदोषण कर रहे हैं। विभिन्न देशों में तीव्र औद्योगिकीकरण, नवीनीकरण एवं तकनीकीकरण को अपनाया जा रहा है। जब पर्यावरणीय गतिविधियों से पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है एवं इन गतिविधियों से पर्यावरण में परिवर्तन होते हैं और यह परिवर्तन प्रकृति के साथ समंजस स्थापित नहीं कर पाता तो पर्यावरण में असंतुलन स्थापित करता है, अन्ततः कई प्रकार का प्रदूषण फैलाकर मानव जीवन को खतरों में डाल देता है और अर्थव्यवस्था में पारिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न हो जाता है। इस प्रकार, मानवीय गतिविधियों से पर्यावरण पर जो प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, उसी को पर्यावरण उद्विग्नता अर्थात् पर्यावरणीय चिन्ताएँ कहते हैं।

पर्यावरणीय उद्विग्नता को बहाने में कई घटक जिम्मेदार होते हैं जैसे - पर्यावरण का भौतिक संकट - रेडियोधर्मिता में शक्ति, CO₂ में शक्ति,

SO₂ में हुई, कीटनाशकों से प्रदूषण, मिट्टी अपरदन, उद्योगों के अवशिष्ट से जल प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि। इसके अतिरिक्त पर्यावरण का जैविक संकट जैसे- तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण कुपोषण, बेरोजगारी एवं गरीबी में वृद्धि।

इस प्रकार, हम कहते हैं कि जब GDP में पर्यावरणीय क्षति की कीमत को शामिल करने पर जो लेखा प्राप्त होता है उसे Green Accounting कहा जाता है।

$$\text{Green Accounting} = \text{GDP} + \text{value of Natural degradation Cost}$$

⇒ हरित लेखांकन के सूचक (Indicators of Green Accounting)

(1) हरित गृह राष्ट्रीय उत्पाद (Green NNP)

प्राकृतिक पूँजी के निकाले जाने तथा निम्न श्रेणीकरण के लेखांकन द्वारा Green NNP प्राकृतिक स्रोतों, पूँजी तथा श्रम की उत्पादित सेवाओं की प्रदर्शित करती है एवं उत्पादन प्रक्रिया में लगी सम्पूर्ण लागत को भी चित्रित करती है।

(2) समायोजित विशुद्ध वचन (Adjusted Net Saving)

NNP की इस अवधारणा का निर्माण करते हुए समायोजित विशुद्ध वचन प्रदूषण के कारण प्राकृतिक स्रोतों के कम होने या नष्ट होने को लेखा में लेने के बाद एक अर्थव्यवस्था में वचन की सही दर को मापती है।

(3) सम्पत्ति लेखांकन (Property Accounting)

यह हरित लेखांकन का ही एक भाग है। सम्पत्ति लेखांकन राष्ट्रों की सम्पत्ति के अनुमानों का बैंक का विश्लेषण किसी समय बिन्दु पर सम्पत्ति के संगठन का अन्वेषण करता है।

⇒ हरित लेखांकन के उद्देश्य (Objectives of Green Accounting)

(1) पर्यावरणीय क्षति को मापना

ऐसे अनेक कारक हैं जो निगमों द्वारा पैदा किए गए पर्यावरणीय बोझ को मापते हैं। पर्यावरणीय प्रभावों पर आंकड़ों को संकलित करने तथा जोड़ने एवं सम्पूर्ण पर्यावरणीय बोझ को अभिव्यक्त करने के लिए एक अकेले सूचक के रूप में पर्यावरणीय बोझ हानों की ही स्याती है।

(2) उत्पादन एवं व्यावसायिक प्रक्रिया का लाभ

हरित लेखांकन के तहत एक निगम पर्यावरण को अनेक तरीकों से योगदान दे सकता है जबकि यह प्रमुख पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन एवं व्यापारिक गतिविधियों के लाभ से समाज को योगदान देता है।

(3) सामाजिक योगदान

हरित लेखांकन पर्यावरणीय शिक्षा गतिविधियों द्वारा सामाजिक योगदान देने का भी व्यक्त करता है। सामाजिक योगदान सूचक पर्यावरणीय शिक्षा गतिविधियों तथा प्राकृतिक संरक्षण के लिए खर्चों में परिवर्तन को बताता है। यद्यपि सामाजिक योगदानों के परिणाम अकेले मौद्रिक स्काई में मापें नहीं जा सकते, तथापि हम इसका प्रयोग सूचक के निर्माण के लिए अत्यधिक वास्तुनिष्ठ मापक के रूप में करते हैं।

(4) पर्यावरणीय बोझ कम करना —

पर्यावरणीय बोझ कम करने वाली हरि स्याती का सूचक कम्पनी के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव में कमी की मात्रा को चित्रित करता है। हरित लेखांकन वैश्विक पर्यावरण तथा निगमों के बीच लेखों के निर्धारण में अनेक उद्देश्य के साथ समग्र राजी को प्रकट करता है।

File End